Training Camps
on
"Sensitization and Awareness Generation among Farmers on Organic Farming" in Village Tadol, Bhojnagar and Village Mansar of Solan Block on 27th February and 2nd March, 2017

- The Department of Business Management successfully organized two awareness training camps on "Sensitization and Awareness Generation among Farmers on Organic Farming" in Village Tadol, Bhojnagar and Village Mansar of Solan Block on 27th February and 2nd March, 2017 respectively. These awareness trainings have been organized under the Project, "**Organic Farming Promotion through Sensitization, Awareness Generation and Capacity Building of Farmers for Sustainable Agro-ecological Systems, Improved Livelihoods for Healthier Himalayan Region** (NMH-004-23)" sponsored by G.B. Pant Institute of Himalayan Environment & Development, Almora, Uttarakhand. This project has a duration of three years. The Department of Business Management, College of Horticulture, Dr YS Parmar University of Horticulture and Forestry is the executing agency.
- Each awareness training was attended by around 40 farmers. During the training programmes, progressive farmers practising organic farming shared their experiences with the participating farming community. The technical experts of our university delivered lectures on different aspects like crop manuring, soil fertility, crop protection, vegetable cultivation, marketing and conceptual understanding of organic farming. There was also a representation from NGOs. The representatives from State Horticulture Department discussed about the various government schemes where there is provision of subsidised crop inputs aimed at the promotion of organic farming.
- The main aim of these trainings is to provide information to farmers on organic farming and to sensitize and motivate them for adopting organic farming. The farmers felt happy with such an initiative and showed their willingness to start organic farming practices may be on smaller scale in beginning. They also showed interest in spreading such awareness and sensitizing other farmers to start with organic farming and contribute towards environment protection and better human health.
- Under the project, the Department of Business Management is to conduct 16 such awareness programmes in Solan, Bilaspur , Kullu and Kinnaur districts of the state. Different success stories are also planned to be documented for circulation amongst the farming community. Dr Yasmin Janjhua , Assistant Professor is Principal Investigator of this project.

तड़ोल-मनसार में किसानों को जैविक खेती पर किया जागरूक

सोलन-डा. वाईएस परमार विश्वविद्यालय नौणी के व्यापार प्रबंधन विभाग ने किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक किया। सोलन ब्लॉक के गांव तड़ोल व मनसार गांव में इसके लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों का जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डा. यासमीन ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में उद्यान विभाग के अधिकारियों ने जैविक खेती अपनाने के बारे में सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त जैविक खेती अनुभव के बारे में वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ विचार सांझा किए। डा. यासमीन ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर एक परियोजना के अंतर्गत लगाए जा रहे हैं। इस परियोजना में प्रदेश के चार जिलों सोलन, बिलासपुर, कुल्लू व किन्नौर का चयन किया गया है। व्यापार प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस परियोजना में लगभग 16 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें किसानों को रासायनिक खेती से हो रहे नुकसान के बारे में अवगत कराया जाएगा

दिव्य हिमाचल Fri, 17 March 2017
epaper.divyahimachal.com//c/17597081

किसानों को दी जैविक खेती की जानकारी

नौणी विश्वविद्यालय के व्यापार प्रबंधन विभाग के अधिकारी तड़ोल में किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक करते हुए ● जागरण

संवाद सहयोगी, सोलन : डॉ. वाईएस परमार विश्वविद्यालय नौणी के व्यापार प्रबंधन विभाग ने किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक किया। सोलन ब्लॉक के गांव तड़ोल व मनसार गांव में इसके लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. यासमीन ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में उद्यान विभाग के अधिकारियों ने जैविक खेती अपनाने के बारे में सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त जैविक खेती अनुभव के बारे में वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ विचार साझा किए।

डॉ. यासमीन ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर एक परियोजना के अंतर्गत लगाए जा रहे हैं। इस परियोजना में प्रदेश के चार जिलों सोलन, बिलासपुर, कुल्लू व किन्नौर का चयन किया गया है। व्यापार प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस परियोजना में लगभग 16 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें किसानों को रासायनिक खेती से हो रहे नुकसान के बारे में अवगत कराया जाएगा।

जैविक खेती की दी किसानों को जानकारी

सोलन, 16 मार्च (ब्यूरो): डा. वाई.एस. परमार विश्वविद्यालय नौणी के व्यापार प्रबंधन विभाग ने किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक किया। सोलन ब्लाक के गांव तड़ोल व मनसार गांव में इसके लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम समन्वयक डा. यासमीन ने बताया कि शिविर में उद्यान विभाग के अधिकारियों ने जैविक खेती अपनाने के बारे में सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। डा. यासमीन ने बताया कि इस परियोजना में प्रदेश के 4 जिलों सोलन, बिलासपुर, कुल्लू व किन्नौर का चयन किया गया है। व्यापार प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस परियोजना में लगभग 16 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें किसानों को रासायनिक खेती से हो रहे नुक्सान के बारे में अवगत कराया जाएगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 17 Ma epaper.pun

किसानों को जैविक खेती के बारे में किया जागरूक

सोलन | डॉ. वाईएस परमार यूनिवर्सिटी नौणी के व्यापार प्रबंधन विभाग ने किसानों को जैविक खेती के बारे में जागरूक किया। सोलन ब्लाक के गांव तड़ोल व मनसार गांव में इसके लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। इसमें किसानों का जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. यासमीन ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में उद्यान विभाग के अधिकारियों ने जैविक खेती अपनाने के बारे में सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त जैविक खेती के बारे में वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ विचार सांझा किए। डॉ. यासमीन ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर एक परियोजना के अंतर्गत लगाए जा रहे हैं। इनके लिए चार जिलों सोलन, बिलासपुर, कुल्लू व किन्नौर का चयन किया है। व्यापार प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि परियोजना में लगभग 16 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

TRAINING/VILLAGE MEETING
ON
Organic Farming Promotion through Sensitization, Awareness Generation and Capacity Building of Farmers
Date: 27.02.2017

ON